भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
मौसम केंद्र
शिमला

Government of India
Ministry of Earth Sciences
Meteorological Centre
Shimla

हिमाचल प्रदेश के लिए कृषि मौसम सलाह बुलेटिन

बुलेटिन क्रमांक स- 52/2025 जारी करने की तिथि:01.07.2025

DISTRICTWISE WEATHER WARNING FOR THE NEXT 5 DAYS

DAY 1(UPTO 0830 IST OF 02.07.2025)

DAY 2(UPTO 0830 IST OF 03.07.2025)

DAY 3(UPTO 0830 IST OF 04.07.2025)

DAY 4(UPTO 0830 IST OF 05.07.2025)

DAY 5(UPTO 0830 IST OF 06.07.2025)

Legends.

Warning.

- NO WARNING (NO ACTION)-कोई कार्यवाही नहीं
- WATCH (BE UPDATED)-निगरानी रखे
- ALERT(BE PREPARED)-सतर्क रहे
- WARNING(TAKE ACTION)-कार्यवाही करे

legends

- THUNDERSTORM
- Heavy rain with thunderstorm
- SNOW
- Heavy to Very Rain with thunderstorm
- HEAT WAVE
- GUSTY WINDS(Wind speed 30-40kmph)
- HAIL
- COLD WAVE / COLD DAY
- FOG
- Ground Frost

अगले 5 दिनों के लिए हिमाचल प्रदेश के लिए मौसम चेतावनी

दिनांक	01 जुलाई	02 जुलाई	03 जुलाई	04 जुलाई	05 जुलाई	06 जुलाई	07 जुलाई
चेतावनी	कहीं –कहीं पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	कहीं –कहीं पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	कहीं –कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं –कहीं पर भारी बारिश की संभावना है।	कहीं –कहीं पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	कहीं –कहीं पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	कहीं –कहीं पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।

जिला	01 जुलाई	02 जुलाई	03 जुलाई	04 जुलाई
ऊना	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
बिलासपुर	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं
हमीरपुर	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं
चंबा	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं
कांगड़ा	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
कुल्लू	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं
मंडी	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
शिमला	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।
सोलन	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं
सिरमौर	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर गर्जना के साथ भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है।	एक दो स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है।	कोई चेतावनी नहीं
किन्नौर	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं
लाहौल -स्पीति	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं

DISTRICTWISE WEATHER FORECAST FOR THE NEXT 5 DAYS

DAY 1(UPTO 0830 IST OF 02.07.2025)

DAY 2(UPTO 0830 IST OF 03.07.2025)

DAY 3(UPTO 0830 IST OF 04.07.2025)

DAY 4(UPTO 0830 IST OF 05.07.2025)

DAY 5(UPTO 0830 IST OF 06.07.2025)

Legends
- DRY
- ISOL(0 TO 25%)
- SCT(26 TO 50%)
- FWS(51 TO 75%)
- WS(76 TO 100%)

*percentage based on the number of stations reporting rainfall

दिनांक / स्थान	01 जुलाई	02 जुलाई	03 जुलाई	04 जुलाई	05 जुलाई	06 जुलाई	07 जुलाई
मैदानी / निचले पर्वतीय क्षेत्र	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा
मध्य पर्वतीय क्षेत्र	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी से बहुत भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा	अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा साथ ही एक दो स्थानों पर भारी वर्षा
उच्च पर्वतीय क्षेत्र	अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा	कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा

क्षेत्र	क्षेत्र/जिले
मैदानी / निचले पर्वतीय क्षेत्र	लाहौल और स्पीति, किन्नौर, चंबा के ऊपरी हिस्से, कुल्लू और मंडी जिले
मध्य पर्वतीय क्षेत्र	शिमला, मंडी, कुल्लू, चम्बा के कुछ भाग (सिहुंता, चौवारी और चम्बा), सोलन और सिरमौर जिलों के अधिकांश भाग
उच्च पर्वतीय क्षेत्र	ऊना, बिलासपुर, हमीरपुर, कांगड़ा जिले के हिस्से (नूरपुर, ज्वाला और देहरा), सोलन (नालागढ़, बद्दी, अर्की और कुनिहार) और सिरमौर (नाहन, धौला कुआँ और पांवटा साहिब)

वर्षा का क्षेत्रफल- वर्षा रिपोर्ट करने वाले स्टेशनों का प्रतिशत			
%स्थान	श्रेणी	%स्थान	श्रेणी
51-75	अनेक स्थानों पर	1-25	एक दो स्थानों पर
कोई वर्षा नहीं	शुष्क		

अगले 5 दिनों में औसत बारिश का पूर्वानुमान

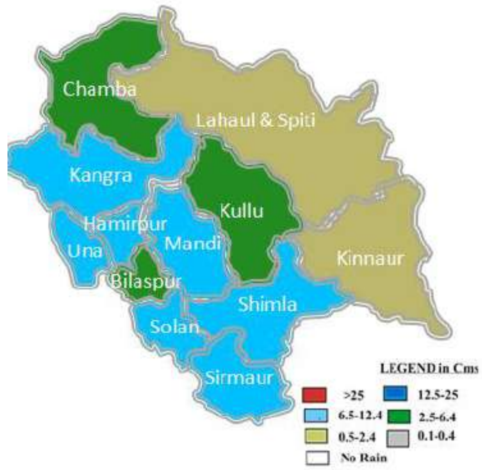

हिमाचल प्रदेश राज्य के लिए विस्तारित अवधि पूर्वानुमान (04 जुलाई 2025 – 10 जुलाई 2025)

वर्षा:-

दूसरे सप्ताह के अनेक दिनों के दौरान राज्य के अनेक हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश तथा निचले पहाड़ी/मैदानी और आसपास के मध्य पहाड़ी क्षेत्रों में एक-दो स्थानों पर भारीवर्षा होने की संभावना है।

• दूसरे सप्ताह में वर्षा विसंगति राज्य के निचली पहाड़ियों/मैदानों के अनेक हिस्सों में सामान्य से अधिक; मध्य पहाड़ियोंके अनेक हिस्सों में सामान्य और उच्च पहाड़ियोंके अनेक हिस्सों में सामान्य से सामान्य के नीचे रहने कीसंभावना है।

अधिकतम तापमान:-

- दूसरे सप्ताह के अनेक दिनों के दौरान राज्य के ऊंचे पहाड़ियों के अधिकाँश हिस्सों में अधिकतम तापमान 24-30 डिग्री सेल्सियस, मध्य पहाड़ियों के अधिकाँश हिस्सों में 28-34 डिग्री सेल्सियस तथा निचले पहाड़ियों/मैदानी क्षेत्रों के अधिकाँश हिस्सों में 30-36 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।

दूसरे सप्ताह में राज्य के अनेक हिस्सों में अधिकतम तापमान सामान्य से सामान्य के नीचे रहने की संभावना है।

न्यूनतम तापमान:-

- दूसरे सप्ताह के दौरान न्यूनतम तापमान राज्य के निचले पहाड़ियों/मैदानों के अनेक हिस्सों में20 - 24डिग्री सेल्सियस; मध्य पहाड़ियों के अधिकाँश हिस्सों में-18 2 2डिग्री सेल्सियस और उच्च पहाड़ियों के अनेक हिस्सों में1 42-0 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।
- • दूसरे सप्ताह में न्यूनतम तापमान राज्य के निचली पहाड़ियों/मैदानों के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से सामान्य के करीब और मध्य और उच्च पहाड़ियों के अनेक हिस्सों में सामान्य से सामान्य के नीचे रहने की संभावना है।।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य)

- संवेदनशील क्षेत्रों में स्थानीय भूस्खलन/मिट्टी के धंसने की संभावना।
- निचले इलाकों में जलभराव।
- कमजोर संरचनाओं को आंशिक नुकसान।
- फिसलन भरी सड़कों और कम दृश्यता के कारण वाहन फिसल सकते हैं।
- यातायात भीड़भाड़।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य)

- यातायात सलाह का पालन करें।

- ➢ कमजोर क्षेत्रों और उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहाँ अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- ➢ भारी बारिश के दौरान नदियों/नालों में तैरने या नौका विहार न करें।

राज्य सरकार द्वारा जारी सलाह/दिशानिर्देशों का पालन करें।

कृषि प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य)

- निचले क्षेत्रों में जलभराव से जड़ों को नुकसान, फफूंद संक्रमण और फसल की वृद्धि में रुकावट हो सकती है।
- मिट्टी में अत्यधिक नमी के कारण बुवाई में देरी हो सकती है।

नर्सरी बेड में डैम्पिंग-ऑफ रोग की संभावना बढ़ जाती है।

राज्य में पिछले चार दिनों की वर्षा का सारांश (दिनांक 28.06.2025 01.07.2025 तक)

	28.06.2025	29.06.2025	30.06.2025	01.07.2025
हिमाचल प्रदेश	कुछ स्थानों पर	अनेक स्थानों पर	सभी स्थानों पर	अनेक स्थानों पर

हिमाचल प्रदेश सरकार के कृषि विभाग केAMFUs से एकत्रित फसल अवस्थाएँ

Districts	***Crops***					
	Apple	**Tomato Capsicum Brinjal**	**Cucumber**	**Maize**		
Shimla	FM/H	F	FD	V/F		
Sirmour	FM/H	F	FD	V/F		
Bilaspur	FM/H	F	FD	V/F		
Solan	FM/H	F	FD	V/F		
	Rice	Fodder	Maize	Mushrooms	Cucumber, summer squash, bitter gourd, bottle gourd	
Chamba	G	S	G	H	Staking/care	
Kangra	G	S	G	H	Staking/care	
Hamirpur	G	S	G	H	Staking/care	
Una	G	S	G	H	Staking/care	

	Apple	Apricot	Pea	Rajma	Cauliflower /Cabbage	Potato	Barley	Cucumber
Lahaul & Spiti	Fruit development	Fruit development	Vegetative/ Flowering Stage/Pod formation	Seedling / Branching	Vegetative stage	Sprout development	Tillering	Plant establishment
Kinnaur	Fruit development	Fruit development	Vegetative/ Flowering Stage/Pod formation	Seedling / Branching	Vegetative stage	Sprout development	Tillering	Plant establishment

S: Sowing, T: Transplanting, V : Vegetative, T : Tillering, F : Flowering, PF, Petal fall, PF : Pod Formation, PM: Pod maturity, BF: Bulb formation, H: Harvesting, DS:Dough Stage, M: Maturation

D:DormantF : Flowering stage , P/Mi : Flowering /milky stage, SD : Soft dough stage, D: Dough stage, SF/PM: Silique formation /Physiological maturity stage, PM: Physiological maturity stage , M: Maturity stage, PF:Pod formation stage , PF/M:Pod formation stage/ maturity stage, TI: Tuber initiation, TB: Tuber bulking, Ma: Maturation, F/H: Fruiting/ Harvesting stage, H: Harvesting stage

हिमाचल प्रदेश की विभिन्न कृषि मौसम क्षेत्रीय इकाइयों (एएमएफयू) द्वारा जारी कृषि मौसम परामर्श

किन्नौर और लाहौल-स्पीति
मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन 08:30 IST तक मान्य): अगले पांच दिनों तक कोई चेतावनी नहीं।
मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबन्धित एग्रोमेट सलाह: अगले पांच दिनों तक कोई प्रभाव नहीं।
सामान्य सलाह: • आलू के मेढ़ों से घास निकाल कर उन्हें उसके ऊपर डाल दें ताकि नमी को बनाया रखा जा सके।पहली निराई-गुड़ाई करने के साथ ही पौधों को मिट्टी चढ़ाएं और शेष बचा नाइट्रोजन डाले। • फलियां पूर्णतः भर जाए तो फली तोड़ने का काम जारी करें और मंडियों में भेजने दें। • पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के कुंडों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए।
लघु संदेश सलाहकार:

- तितलियों को नियंत्रण करने के लिए मैलाथियन 50 ईसी या लैम्ब्डासाइहलोथ्रिन- @1 मिलीलीटर / 1 लीटर पानी के साथ घोलकर खेतों में छिड़काव करें।

मुख्य फसलें	**अवस्था**	**कीट / रोग**	**कृषि परामर्श**
पॉलीहाउस: खीरा	पुष्पन अवस्था		• घास हटा दें और समय-समय पर सिंचाई करें। • यूरिया की दूसरी विभाजित खुराक पौधों में डालें।
पॉलीहाउस: टमाटर	वनस्पति चरण		• घास हटा दें और समय-समय पर सिंचाई करें। • यूरिया की दूसरी विभाजित खुराक पौधों में डालें।
मटर	शाखायुक्त अवस्था/ पुष्पन अवस्था/ फली गठन चरण/ विकास	पीलेपन के लक्षण चूर्णलासिता रोग	• खेतों से घास हटा दें। समय-समय पर सिंचाई करें। • मटर में वनस्पति अवस्था के दौरान पत्तियों में पीलेपन के लक्षण दिखाई दें तो प्रति लीटर पानी में 100-150 ग्राम यूरिया का छिड़काव करें। • मटर के पौधों में चूर्णलासिता रोग के लक्षण दिखाई दें ही हेक्साकोनाज़ोल 5 मि.ली./10 लीटर पानी में घोल कर खेतों में स्प्रे करें।
राजमाश	अंकुर की अवस्था/ शाखायुक्त अवस्था	कटुआ कीट	• राजमाश के युवा पौधे अगर कटुआ कीट से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं तो क्लोरोपाइरीफॉस 20 ईसी @3मि.ली. / लीटर पानी से भूमि की सतह के पास छिड़काव करें।
आलू	अंकुरित विकास/ वनस्पति अवस्था	-	• पहली निराई-गुड़ाई करने के साथ ही पौधों को मिट्टी चढ़ाएं और शेष बचा नाइट्रोजन डाले। • आवश्यकता अनुसार सिंचाई करें। • मेढ़ों से घास निकाल कर उन्हें उसके ऊपर डाल दें ताकि नमी को बनाया रखा जा सके।
जौ	वृद्धि चरण	-	• खेतों से घास हटा दें। • नाईट्रोजन की शेष आधी मात्रा पहली सिंचाई के साथ दें।
फूलगोभी/पत्तागोभी	वनस्पति विकास	कटुआ कीट जड़ सड़न तितलियां	• फूलगोभी के युवा पौधे अगर कटुआ कीट से क्षतिग्रस्त हो रहे हैं तो क्लोरोपाइरीफॉस 20 ईसी @3मि.ली. / लीटर पानी से भूमि की सतह के पास छिड़काव करें। • जड़ सड़न को नियंत्रित करने के लिए कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति लीटर के हिसाब से ड्रेंचिंग करें| • तितलियों को नियंत्रण करने के लिए मैलाथियन 50 ईसी या लैम्ब्डासाइहलोथ्रिन- @1 मिलीलीटर / 1 लीटर पानी के साथ घोलकर खेतों में छिड़काव करें।
सेब	फलों का विकास	सफ़ेदचूर्ण रोग	• सेब में सफ़ेदचूर्ण रोग के नियंत्रण करने के लिए (टेबुकोनाज़ोल 8% + कैप्टन 32% एस.सी.) 500 मि.ली. प्रति 200 लीटर पानी के साथ स्प्रे करें।

General advisory:

 गर्जनऔरआकाशीयबिजलीसेबचावकेलिएकिसानखुलेखेतोंमेंजानेसेबचें।ऊँचेपेड़ोंयाअन्यऊँचीवस्तुओंसेदूररहें।

 भारीवर्षाकीस्थितिमेंकिसाननदी, नालोंकेपासजानेसेबचें, क्योंकिजलस्तरबढ़सकताहै।

 सभीफसलोंमेंसिंचाईकाकार्यस्थगितरखें।

 वर्षाजलकोएकत्रितकरनेएवंभंडारणकीउचितव्यवस्थाकरें।

 जलभरावसेबचनेकेलिएखेतोंमेंउचितजलनिकासीकीव्यवस्थाकरें।

ϖखेतोंसेखरपतवारहटाकरवायुसंचारमेंसुधारकरें।

		माइट	• सेब में माइट के लिए 200 मिली लीटर पानी में फेनाज़ाक्विन 50 मि.ली. या प्रोपरगाइट 200 मि.ली. से छिड़काव करें।
पशु (गाय)	-	-	• जानवरों को आवश्यक शरीर के नमक के नुकसान से बचने के लिए उचित मात्रा में नमक का मिश्रण फ़ीड और पानी के साथ मिला कर जानवरों को दें। • मौसम के आधार पर , पशु आहार की सामग्री को बदलना चाहिए। • पशुओं को कीड़े मारने की दवा समय-समय पर दी जानी चाहिए। • इस समय पशुओं में गर्मी से संबंधित जो बीमारियाँ देखी जा सकती हैं, वे हैं बुखार, डिहाइड्रेशन, शरीर में लवणों की कमी, भूख न लगना और उत्पादकता में कमी। • मौसम के अनुसार पशु आहार में बदलाव करते रहना चाहिए। इस समय आहार में गेहूँ का भूसा और ज्वार की मात्रा बढ़ानी चाहिए। • पशुओं के लिए पानी की व्यवस्था पर पूरा ध्यान दिया जाए। पीने के कुंडों को साफ रखना चाहिए और जानवरों को दिन में कम से कम चार बार पानी देना चाहिए।

सोलन

SMS Advisory:

 स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें।

खुबानी	तोड़ाईकरनेकेबाद, गिरेहुएफलोंकोइकट्ठाकरमिट्टीमेंकमसेकम 45 सेमीनीचेगड्ढोंमेंदबादें।
सेब	ϖकिसानोंकोसेबकीफसलमेंस्कैब (झुलसारोग) औरअल्टरनेरियालीफस्पॉटजैसेरोगोंकीनिगरानीकरेंक्यूँकिनमीमेंवृद्धिकेकारणरोगोंकाप्रकोपबढ़सकताहै। ϖलगातारबादलछाएरहनेऔरआर्द्रताअधिकरहनेकीस्थितिमेंछिड़कावसेबचेंऔरइसकेस्थानपरनिचलीशाखाओंकीछंटाईकरकेवायुसंचारमेंसुधारकरें, ताकिसेबकेबागानोंमेंस्कैबऔरअल्टरनेरियापत्तीधब्बारोगकाखतराकमहोसके। ϖसंक्रमितटहनियों, शाखाओंएवंपत्तियोंकोपेड़ोंसेहटाकरनष्टकरें। ϖपेड़ोंकेतोलियोंसेखरपतवारहटानेकीसिफारिशकीजातीहै।
टमाटर	ϖकिसानोंकोमिट्टीसेफैलनेवालेरोगोंकेखतरेकोकमकरनेकेलिएपौधोंकीनिचली 10–15 सेंटीमीटरतककीपत्तियोंकोहटानेकीसलाहदीजातीहै। ϖकिसानोंकोखेतोंमेंउचितजलनिकासीकीव्यवस्थाकरनेकीसलाहदीजातीहै। ϖखेतोंसेसंक्रमितपौधोंयाउनकेहिस्सोंकोतुरंतदूरफेंकदें।
खीरा	किसानों को बेलों को सहारा देने और खेतों में उचित जल निकासी नालियाँ बनाने की सलाह दी जाती है।
मक्की	खेतों में जलभराव की स्थिति से बचने के लिए उचित जल निकासी नालियाँ बनाएं।
प्राकृतिक खेती	ϖपौधोंकेचारोंओरजैविकमल्च (सूखीपत्तियों) काउपयोगकरेंताकिमिट्टीमेंनमीबनीरहेऔरखरपतवारोंपरनियंत्रणपायाजासके।मल्चपानीकेसतहीबहावकोभीधीमाकरताहै। प्राकृतिक खेती करने वाले किसान कीट पतंगों के हमले को अग्नास्त्र-, ब्रह्मास्त्र, नीमास्त्र और दशपर्णी अर्क का छिड़काव करके नियंत्रित कर सकते हैं, जो सप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत की दर से और जीवामृत का छिड़काव नियमित अंतराल पर 10.0 प्रतिशत की दर से साफ मौसम में करें।
गाय	ϖकिसानोंकोसलाहदीजातीहैकिमानसूनकेआगमनकेसाथहोनेवालीखुरपका-मुंहपका (एफ.एम.डी.) औरब्लैकक्वार्टर (बी.क्यू.) जैसीबीमारियोंसेपशुओंकोबचानेकेलिएसमयपरटीकाकरणअवश्यकराएं।

चंबा,कंगड़ा ,ऊना और हमीरपुर
मौसम की चेतावनियाँ (अगले दिन 08:30 IST तक वैध):- • भारी से बहुत भारी वर्षा / तूफान, बिजली और तेज़ हवाएँ **कृषि पर मौसम की चेतावनियों का संभावित प्रभाव और संबंधित कृषि मौसम संबंधी सलाह:-**

• निचले क्षेत्रों में जलभराव से जड़ों को नुकसान, फफूंद संक्रमण और फसल की वृद्धि में रुकावट हो सकती है। • नर्सरी बेड में डैम्पिंग-ऑफ रोग की संभावना बढ़ जाती है।		
सामान्य सलाह: • स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए मेघदूत ऐप का उपयोग करें। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें। • आईएमडी की चेतावनियों और स्थानीय अलर्ट से अपडेट रहें • भारी से बहुत भारी वर्षा/तूफान और बिजली गिरने के दौरान खेत में काम करने से बचें		
एसएमएस सलाह: • प्रतिकूल मौसम के दौरान व्यक्तिगत सुरक्षा सुनिश्चित करें।		
मुख्य फसलें	**फसल अवस्था**	**मौसम आधारित कृषि सलाह**
खरीफ फसलें	क्षेत्र की तैयारी	• नर्सरी को पानी के ठहराव से बचाना चाहिए। • यदि पर्याप्त वर्षा हो जाए तो रोपाई के लिए पोखर बनाना शुरू करें • भारी वर्षा के कारण निचले इलाकों में पानी के ठहराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। • अपवाह और मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए बाँध और चैनल सुनिश्चित करें।
अनाज का भंडारण		• भंडारण से पहले अनाज को साफ करें, धूल, भूसी और खराब दानों को निकाल दें। • गोदामों को अच्छी तरह से साफ करें, पिछले फसल के अंशों को हटा दें। दीवारों की दरारें भरें और सफेदी करें।
धान	अंकुरण अवस्था	• रोपाई से पहले उचित जल-जमाव सुनिश्चित करें। • धान की फसल की तैयारी के लिए वर्तमान नमी की स्थिति का उपयोग करें
मक्का	अंकुरण अवस्था	• वर्षा अंकुरण के लिए अनुकूल है, लेकिन जलभराव से बचने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। • नियमित रूप से निराई-गुड़ाई की सिफारिश की जाती है; वर्षा खरपतवार के उगने के लिए अच्छी परिस्थितियाँ प्रदान करती है।
चारा	बुवाई	• अंकुरण के लिए वर्षा पर्याप्त है; अतिरिक्त सिंचाई से बचें। • जड़ सड़न या जलभराव को रोकने के लिए खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था करें।
खीरा, ग्रीष्मकालीन स्क्वैश, करेला, लौकी	स्टेकिंग/देखभाल	• खेतों में जलभराव को रोकने के लिए जल निकासी चैनल बनाएं। • वायु संचार, फलों की गुणवत्ता में सुधार और रोग के जोखिम को कम करने के लिए स्टेकिंग प्रदान करें। • वर्षा से सिंचाई की आवश्यकता कम होगी; केवल आवश्यकता होने पर ही सिंचाई करें और जड़ सड़न को रोकने के लिए अच्छी जल निकासी सुनिश्चित करें • मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवारों को नियंत्रित करने के लिए पौधों के चारों ओर जैविक मल्च (भूसा, सूखी पत्तियां) का उपयोग करें। • लंबी और फलीदार फसलों को सहारा (स्टेकिंग) प्रदान करें
पॉली हाउस कृषि	वानस्पतिक अवस्था से लेकर प्रारंभिक पुष्पन अवस्था तक	• साइड वेंट या एग्जॉस्ट फैन का उपयोग करके उचित वेंटिलेशन सुनिश्चित करें। • अत्यधिक धुंध से बचें और हवा के आदान-प्रदान को बनाए रखने के लिए

		सर्कुलेशन फैन का उपयोग करें • निगरानी के लिए पीले चिपचिपे जाल का उपयोग करें।
मशरूम	कटाई	• अच्छी फसल के लिए कमरे का तापमान 17-18 डिग्री सेल्सियस और सापेक्ष आर्द्रता 80-85% बनाए रखें। मशरूम पर पानी के जमाव को रोकने के लिए पंखे द्वारा हवा का संचार सुनिश्चित करें। • अधिक पानी देने से बचें क्योंकि इससे बैक्टीरिया का संक्रमण बढ़ सकता है। • ठंडी और हवादार जगह पर स्टोर करें, या नमी वाले मौसम में जल्दी खराब होने की वजह से तुरंत बेच दें। • बढ़ते तापमान (33-34 डिग्री सेल्सियस तक) और उच्च आर्द्रता के कारण, यह धान के भूसे वाले मशरूम को उगाने का आदर्श समय है।
बागवानी	फल विकास अवस्था	• नमी बनाए रखने के लिए पेड़ों के बेसिन को खरपतवार मुक्त रखें और उसमें गीली घास डालें। • अपेक्षित वर्षा के कारण, बागों में पानी के ठहराव को रोकने के लिए उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। • युवा पौधों और लताओं को सहारा दें
चाय		• प्रसंस्कृत पत्तियों में फफूंद संदूषण को कम करने के लिए बारिश के दौरान या उसके तुरंत बाद पत्तियों को तोड़ने से बचें। • जलभराव को रोकने के लिए चाय के खेतों में उचित सतही और उप-सतही जल निकासी सुनिश्चित करें।
फूलों की खेती	पुष्पन अवस्था	• हवा का प्रवाह सुनिश्चित करने और बीमारी को कम करने के लिए पौधों के बीच उचित दूरी बनाए रखें। • नर्सरी को छायादार जाल से सुरक्षित रखें और अच्छी जल निकासी सुनिश्चित करें • फफूंद जनित बीमारी को रोकने के लिए बारिश के बाद मैन्कोजेब या कार्बेन्डाजिम (0.1%) का छिड़काव करें। • हवा/बारिश के कारण गिरने से बचाने के लिए ग्लेडियोलस जैसी लंबी फूलों वाली फसलों को सहारा दें।
मधुमक्खी पालन		• मधुमक्खियों के बक्सों को हवादार, ऊंचे और छायादार क्षेत्रों में रखें - सीधे बारिश और तेज हवा के संपर्क में आने से बचें। • छत्तों को जलभराव और चींटियों के प्रवेश से बचाने के लिए ऊंचे स्टैंड पर रखें। • छत्तों को आश्रय वाले और ऊंचे क्षेत्रों में स्थानांतरित करें
पशुधन: गाय, भेड़ और बकरी आदि।	देखभाल	• भारी बारिश के दौरान स्वच्छ पेयजल और आश्रय प्रदान करें। • मच्छर जनित बीमारियों से बचने के लिए पशु शेड के पास पानी का ठहराव रोकें। • स्तनपान और स्वास्थ्य को सहारा देने के लिए प्रतिदिन खनिज मिश्रण दें। • भेड़ और बकरियाँ गीली, कीचड़ वाली ज़मीन के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। ऊँची स्लेटेड फ़्लोरिंग या पुआल जैसे सूखे बिस्तर का उपयोग करें। • चारा/पानी के स्रोतों को साफ़ करें और ढँक दें।

मुर्गीपालन	देखभाल	• बिस्तर की सामग्री को सूखा रखें - फंगल/बैक्टीरियल संक्रमण को रोकने के लिए कूड़े को प्रतिदिन बदलें या हिलाएं। • शेड के आस-पास चूना या ब्लीचिंग पाउडर का उपयोग करें ताकि जलभराव और रोगाणुओं का निर्माण न हो। • मच्छरों के प्रजनन और मक्खियों के संक्रमण से बचने के लिए शेड के पास स्थिर पानी को साफ करें।
मत्स्य पालन	पालन-पोषण	• तालाब के बाँधों को मजबूत करें और वर्षा जल के बहाव को रोकें • आस-पास के बहाव से होने वाले अतिप्रवाह या संदूषण से बचने के लिए उचित इनलेट और आउटलेट सिस्टम सुनिश्चित करें। • सुनिश्चित करें कि नए स्टॉकिंग से पहले तालाबों को अच्छी तरह से साफ किया गया हो और गाद निकाली गई हो। • दिन के ठंडे हिस्सों में सुबह जल्दी और देर दोपहर में चारा डालें।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

- निचले क्षेत्रों में जलभराव से जड़ों को नुकसान, फफूंद संक्रमण और फसल की वृद्धि में रुकावट हो सकती है।
- नर्सरी बेड में डैम्पिंग-ऑफ रोग की संभावना बढ़ जाती है।

कुल्लू और मंडी

मौसमकीचेतावनियाँ(अगलेदिन08:30 IST तकवैध):-

• अलग-अलगस्थानोंपरभारीवर्षाकीसंभावनाहै।

कृषि पर मौसम की चेतावनियों का संभावित प्रभाव और संबंधित कृषि मौसम संबंधी सलाह:-

• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेभारीवर्षाकीस्थितिमेंजलभरावसेबचनेकेलिएअपनेखेतोंमेंउचितजलनिकासीनालियांबनाएं।

सामान्यसलाह:

• भारतीयमौसमविभागसेप्राप्तएनडीवीआईमानचित्रसेपताचलताहैकिजिलेकेअलग-अलगस्थानोंपरकृषिकीस्थितिअच्छीहै।
• किसानोंकोपर्यावरणसंरक्षणकेलिए 1 से 7 जुलाई, 2025 तकवनमहोत्सवसप्ताहमेंपेड़लगानेकीसलाहदीजातीहै।
· किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेगर्मीकीस्थितिमेंमिट्टीकीनमीबनाएरखनेकेलिएफसलकेखेतों/बगीचोंमेंसिंचाईकरें।
· किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअपनीफसलोंपरकीटऔररोगकेहमलेकीनिगरानीकरें, जोकिमौजूदामौसमकीस्थितिमेंअपेक्षितहै।
· किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेस्थानीयभाषामेंकृषिमौसमसंबंधीसलाहकेबारेमेंजानकारीप्राप्तकरनेकेलिएअपनेमोबाइलप्लेस्टोरसेमेघदूतऐपडाउनलोडकरें।ऐपडाउनलोडकरनेकेलिएनिम्नलिंकपरक्लिककरें:
· एंड्रॉइडउपयोगकर्ताओंकेलिए: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot&hl=en_IN&gl=US
· आईओएसउपयोगकर्ताओंकेलिए: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155

एसएमएससलाह:

आनेवालेदिनोंमेंभारीवर्षाहोनेकीसंभावनाहै, इसलिएकिसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअपनीकृषिगतिविधियोंकीयोजनातदनुसारबनाएं।

मुख्य फसलें	फसल अवस्था	मौसम आधारित कृषि सलाह
सेब	फलविकासअवस्था	• भारीबारिशकीस्थितिमेंपानीकेठहरावसेबचनेकेलिएसेबकेबागोंमेंउचितजलनिकासीचैनलबनाएं। · बढ़ीहुईनमीकेकारण, किसानोंकोस्कैब, ब्लैकरॉट, अल्टरनेरियालीफस्पॉट/समयसेपहलेपत्तीगिरनेजैसेलक्षणोंकेलिएअपनीसेबकीफसलोंपरकड़ीनज़ररखनेकीज़रूरतहै।

		· अल्टरनेरियालीफस्पॉट/समयसेपहलेपत्तीगिरनेकोनियंत्रितकरनेकेलिए, मौसमसाफ़होनेपरकार्बेन्डाजिम 25% + फ़्लूसिलाज़ोल 12.5% एससी @ 160 मिलीको 200 लीटरपानीमेंमिलाकरस्प्रेकरें। · लगातारबादलछाएरहने, बारिशकेमौसमऔरउच्चआर्द्रताकेकारण, कीटनाशकस्प्रेसेबचें।इसकेबजाय, हवाकेसंचारकोबढ़ानेऔरस्कैबऔरअल्टरनेरियालीफस्पॉटकेजोखिमकोकमकरनेकेलिएनिचलीशाखाओंकोचुनिंदारूपसेकाटें।
नाशपाती	फलविकासअवस्था/फल परिपक्वता/ फलतुडान	• नाशपातीकेबागोंमेंपानीकेठहरावसेबचनेकेलिएउचितजलनिकासीचैनलबनाएं। • चूंकिफलकटाईकेलिएतैयारहैं, इसलिएमौसमकेपूर्वानुमानकोध्यानमेंरखतेहुएकटाईकीयोजनाबनाएं। • पूरीतरहसेपकेहुएफलोंकीकटाईकरें। • छंटाई, ग्रेडिंगऔरपैकेजिंगकीजानीचाहिए।
गुठलीदार फल (खुबानी, बेर, आड़ू)	फलविकासअवस्था/फल परिपक्वता/ फलतुडान	• पूरीतरहसेपकेहुएफलोंकीतुड़ाईकरें। •छंटाई, ग्रेडिंगऔरपैकेजिंगकीजानीचाहिए।
अनार	फलविकासअवस्था	• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअनारपरअनारतितलीकेहमलेकीनिगरानीकरें, जोकिमौजूदामौसमकीस्थितिमेंअपेक्षितहैऔरफिरउचितनिवारकउपायकरें। · फलोंकीसतहपरजीवाणुजनितफलोंकेधब्बोंकोमौसमसाफहोनेपर 200 लीटरपानीमेंकॉपरऑक्सीक्लोराइड + स्ट्रेप्टोसाइक्लिन @ 400 ग्राम + 4 पैक (6 ग्रामप्रत्येक) केसंयुक्तउत्पादकाछिड़कावकरकेप्रबंधितकियाजासकताहै।
खीरा/करेला/लौकी	पुष्पन / फलनअवस्था	• भारीवर्षाजलभराव, जड़सड़न, पोषकतत्वोंकीहानिऔरबीमारियोंमेंवृद्धिकेकारणकद्दूवर्गीयफसलोंकीपैदावारमें उल्लेखनीयकमीलातीहै, इसलिएकिसानोंकोउचितजलनिकासीचैनलउपलब्धकरानेकीसलाहदीजातीहै। · कीटोंकेहमलोंकेलिएकद्दूवर्गीयफसलोंकानिरीक्षणकरेंऔरबेलोंकोऊपरउठानेकेलिएसहाराप्रदानकरें।
भिंडी/लेडी फिंगर/ फ्रेंच बीन्स	वनस्पति/ पुष्पन/ फलन	• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेभारीवर्षाकेदौरानपानीकोजमाहोनेसेरोकनेकेलिए अपनेसब्जीकेखेतोंमेंप्रभावीजलनिकासीचैनलस्थापितकरें।
टमाटर/बैंगन/शिमलामिर्च /मिर्च	पुष्पन/ फलन	• किसानोंकोसलाहदीजातीहैकिवेअपनेखेतोंमेंपानीजमाहोनेसेरोकनेकेलिएउचितजलनिकासीचैनलबनाएरखें। •खेतोंसेरोगग्रस्तपौधोंयाफलोंकोतुरंतहटादें।